ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

अर्धवार्षिक परीक्षा 2024-25

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी

SET-A

समय : 3 घंटे — कुल अंक 80

सामान्य निर्देश :-

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- प्रश्नों के सभी उप भागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए ।
- उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई हो।

प्रश्न संख्या	प्रश्न	अंक
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प चुनकर लिखिए –** 'फूल बोने' का तात्पर्य सुख पहुँचाना तथा 'काँटे बोने' का अर्थ दुख पहुँचाना है। मानव जीवन की सार्थकता अपने आपको सुखी बनाने में नहीं, बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है। तुलसीदास ने कहा कि दूसरों की भलाई से बढ़कर धर्म नहीं तथा दूसरों के अपकार से बढ़कर नीचता नहीं। वह व्यक्ति परम धार्मिक है जो परोपकारी है। दूसरों को सुख पहुँचाने के लिए ईश्वर को भी धरती पर अवतरित होना पड़ता है। जिन्होंने मानव जाति की भलाई के लिए अपना सुख तथा अपने प्राण बलिदान कर दिए, वे लोग मानव जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय बन गए। इसलिए मनीषियों तथा संतों ने सदा परोपकार की दीक्षा दी। कबीर ने तो यहाँ तक कहा है कि जो तेरे लिए काँटे बोता है, उसके लिए भी तुम फूल बोओ। ऐसी स्थिति में हमें चाहिए कि हम प्राणियों के कष्ट निवारण में तथा उन्हें सुखी बनाने में यथाशक्ति योगदान दें। यह भी ध्यान रखना है कि दूसरों के शोषण के लिए अथवा स्वार्थपूर्ति के लिए किया गया प्रत्येक अनैतिक कार्य वर्जित है।	
	1. गद्यांश के अनुसार फूल और काँटे किसके प्रतीक है ? क) धनी और निर्धन ख) प्रसन्नता और व्यथा ग) सुख और दुख घ) पूर्णता और रिक्तता	1
	2. तुलसीदास के अनुसार परम धार्मिक कौन है ? क) जो परोपकारी हो ख) जो अधार्मिक हो ग) जो उपकारी नहीं है घ) विकल्प क और ख दोनों सही है	1
	3. अभिकथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **अभिकथन(A)-दूसरों की भलाई से बढ़कर कोई धर्म नहीं है।** **कारण (R)-वह व्यक्ति परम धार्मिक है जो परोपकारी है।** (क)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। (घ)कथन (A) तथा कारण (R)दोनो सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	1
	4. मानव जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय कौन बन गए ?	2
	5. गद्यांश के आधार पर बताइए कि मानव जीवन की सार्थकता क्या है ?	2

2.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प चुनकर लिखिए –** संसार में ऐसा कोई प्राणी नहीं जो जन्म से ही बुद्धिमान हो। जन्म से तो समस्त प्राणी जड़बुद्धि होते हैं, किंतु उनमें अनेक कलाएँ सुप्तावस्था में विद्यमान रहती हैं। ये कलाएँ शिक्षा और अभ्यास से विकसित होती हैं। निरंतर अभ्यास के द्वारा मानव उनमें निपुणता प्राप्त करता है। विभिन्न कलाओं में अभ्यास द्वारा व्यक्ति विद्या और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है।ईश्वर ने सभी मनुष्यों को समान बुद्धि प्रदान की है। बुद्धिमान व्यक्ति निरंतर अभ्यास के द्वारा उसे प्रखर बना, सुजान बन जाता है। मानव ही क्या, जड़ पत्थर पर भी रस्सी के बार-बार आने-जाने से निशान बन जाते हैं इसलिए अभ्यास से प्रखर मेधा को प्राप्त करना कोई असंभव बात नहीं है। निरंतर अभ्यास के द्वारा मानव में आत्मविश्वास उत्पन्न दक्षता आती है और कार्य में दक्षता आती है। व्यक्ति को तब तक अभ्यास करते रहना चाहिए जब तक उसे अपना लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। अभ्यासरत एवं प्रयत्नशील व्यक्ति स्वयं तो सफलता प्राप्त करके कृतकृत्य होते ही हैं, विश्व के अन्य लोगों के लिए भी सफलताओं के द्वार खोल देते हैं।	
	1.प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक बताइए । क) बुद्धिमान और जड़ बुद्धि व्यक्ति ख) आत्मविश्वास का महत्व ग) परिश्रम का महत्व घ) शिक्षा और अभ्यास के लाभ	1
	2. अभ्यास द्वारा व्यक्ति अपने कलाओं में क्या प्राप्त करता है ? क) विद्या ख) प्रतिष्ठा ग) कार्य में दक्षता घ) क और ख दोनों	1
	3.अभिकथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **अभिकथन(A)-जड़ पत्थर पर भी रस्सी के बार-बार आने जाने से निशान बन जाते हैं।** **कारण (R) अभ्यास से प्रखर मेधा को प्राप्त करना कोई असंभव बात नहीं है।** (क)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। (घ)कथन (A) तथा कारण (R)दोनो सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	1
	4.जन्म से सभी प्राणी बुद्धिमान क्यों नहीं होते?	2
	5. लक्ष्य प्राप्ति के लिए कौन-कौन से गुण आवश्यक हैं ?	2
3.	**क)** निम्नलिखित शब्दों में **अनुस्वार** का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए – **मजिल,प्रशसा** **ख)**निम्नलिखित शब्दों में **अनुनासिक** का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए – **तागा, चादनी** **ग)** निम्नलिखित शब्दों में **'र'**के उचित रूप का प्रयोग कीजिए-**गह,सवाधिक** **घ)**'**दुर्भाग्य** 'शब्द में प्रयुक्त **उपसर्ग** व **मूल शब्द** बताइए। **ड़) 'ईय' प्रत्यय** में उचित शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए **च)**रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूरा कीजिए-जब एक शब्द वाक्य में दो या दो से अधिक बार प्रयोग किया जाए और हर बार उसके अर्थ अलग हो वहाँ……….. अलंकार होता है **छ)** निम्नलिखित काव्य पंक्ति में **अलंकार** का नाम बताइए- नील गगन-सा हृदय शांत हो रहा।	1×7=7
4.	**क)** निम्नलिखित शब्दों के **दो-दो पर्यायवाची** शब्द लिखिए- **उपहार, ज़मीन**	2
	ख) निम्नलिखित शब्दों के **विलोम** शब्द लिखिए-**आयात , साकार**	1
	ग) निम्नलिखित **वाक्यांश के लिए** एक शब्द लिखिए-**कम खाने वाला**	1
	घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- अनुकंपा, उत्तीर्ण	2

5.	**क)** निम्नलिखित शब्दों की **संधि** कीजिए **–भो+अन , प्रति+एक** **ख)** निम्नलिखित शब्द का **संधि विच्छेद** कीजिए **– महोत्सव** **ग)** दिए गए वाक्य में उचित स्थान पर **विराम चिह्नों** का प्रयोग कीजिए – **उस भोली भाली लड़की ने आपका क्या बिगाड़ा है** **जैसे ही वह बिस्तर पर लेटा वह सो गया** **घ)** उचित **मुहावरे** द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए- दारा के बक्से में उसका पुराना कोट देखकर दरबारी………… । **ङ)** **'बाल बाँका न होना'मुहावरे** का अर्थ बताते हुए वाक्य बनाइए।	2 1 2 1 1
6.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए-** सचमुच मुझे कुछ खेलना नहीं आता। दादी माँ, माँ और ताई कोई भी तो मुझे खेलने नहीं देती। हमेशा कहती रहती हैं- "हाथ पैर टूट गए तो?" मुझे उनका ऐसा कहना अभी तक बुरा नहीं लगता था, पर आज श्रीधर के सामने अपनी मजबूरी और अनाड़ीपन को देखकर मुझे अपने पर क्रोध आ रहा है। कोई मुझसे पूछे कि क्या मैंने अपनी जिंदगी में श्रीधर को ही देखा है? सचमुच, मैं अपनी जिंदगी में श्रीधर को ही अच्छी तरह देख पाया हूँ। दादी माँ मुझे पड़ोस के किसी बच्चे के साथ खेलने नहीं जाने देतीं। अपनी कोठी के सामने वाली कोठी में मैं शाम को बहुत से बच्चों को देखता हूँ। वे आपस में लड़ते और खेलते रहते हैं। मेरा मन कितनी बार उनके साथ खेलने के लिए ललक उठा है, पर मेरे घर के बड़े मुझे खेलने नहीं जाने देते। उन्हें डर है कहीं मैं चोट-चपेट न खा जाऊँ, कहीं मुझे नज़र न लग जाए। अब तो मैं खुद ही खेल-कूद से डरने लगा हूँ। अपने लॉन में ही मैं अपने नौकर किसनू के साथ खेलता रहता हूँ। मैं अपने आप ही बॉल फेंकता हूँ, बॉल झाड़ी अथवा नाली में चली जाती है, तो किसनू मेरे लिए गेंद ढूँढकर ले आता है और मैं फिर गेंद उछालने लगता हूँ। **(i) श्री धर को देखकर लेखक का अपने ऊपर क्रोध आने का क्या कारण था?** क)गेंद का झाड़ी पार चले जाना ख)चोट लग जाना ग)माँ का बार-बार टोकना घ)अपनी मजबूरी और अनाड़ीपन **(ii) सामने वाली कोठी में बच्चों को खेलता देख लेखक के मन में कौन-सा भाव उत्पन्न होता है?** क)उदासीन होना ख)मन ललकना ग)प्रसन्न होना घ)भावुक होना **(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा करण ® को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।** **कथन (A)- दादी माँ मुझे पड़ोस के किसी बच्चे के साथ खेलने नहीं जाने देती।** **कारण (R)- कहीं मुझे चोट व नज़र न लग जाए** (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R)सही है। (ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है। (घ) कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है। **(iv) लेखक किसके साथ खेलता था?** (क) श्रीधर (ख) पड़ोस के बच्चे (ग) नौकर किसनू (घ) दीदी (v) **लेखक खुद ही खेल-कूद से क्यों डरने लगा था?** (क) आत्मविश्वास की कमी (ख) हाथ पैर टूटना	1×5=5

	(ग)उपहास का भय (घ) खेल के प्रति अरूचि	
7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए-** कदली, सीप, भुजंग मुख, स्वाति एक गुन तीन। जैसी संगति बैठिये, तैसोई फल दीन।। रूठे सुजन मनाइये, जो रूठे सौ बार। रहमान फिरि-फिरि पोहिये टूटे मुक्ताहार।। **1. स्वाति नक्षत्र की बूँद सीप में गिरकर क्या रूप धारण करती है ?** क) कपूर का ख) मोती का ग) विष का घ) अमृत का **2. हमें किसे नहीं रूठने देना चाहिए ?** क) मित्र को ख) स्वार्थी को ग) दुश्मन को घ) सज्जन को **3. सज्जन व्यक्ति किसके समान होते हैं ?** क) सोने के हार के ख) फूलों के हार के ग) मोतियों के हार के घ) हीरो के हार के **4. उपयुक्त काव्यांश किस पाठ से लिया गया है ?** **क**) हम पंछी उन्मुक्त गगन के ख) दोपहरी ग) सूर और तुलसी के पद घ) दोहे **5. उपर्युक्त काव्यांश के रचयिता कौन है ?** क) रहीम जी ख) बिहारी जी ग) वृंद जी घ) कबीर जी	1×5=5
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए-** **क)** कागज के अपव्यय को रोकने के लिए गाँधी जी क्या करते थे ? **ख)** दारा के किन गुणों के कारण वह शाह का प्रिय बन गया ? **ग)** सुदृढ़ चरित्र का अभाव व्यक्ति विशेष और सामाजिक जीवनपर क्या प्रभाव डालता है? **घ)** लेखक और श्रीधर में कोई दो अंतर बताइए? **ड़)** सीताराम राजू की किस बात को सुनकर आदिवासियों में हिम्मत आई ?	2×5=10
9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **क)**'हम पंछी उन्मुक्त गगन के'कविता के आधार पर बताइए कि बंधन में रहकर पक्षी क्या भूलते जा रहे हैं? **ख)** गर्मी का वृक्षों पर क्या प्रभाव पड़ा ? **ग)** कठोर वचनों का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?	2×3=6
10.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए-** पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं हमारे सामाजिक पर्व मेरे जीवन का लक्ष्य	5
11.	आपसे अपनी कक्षा का श्यामपट्ट टूट गया ,इस संबंध में क्षमा माँगते हुए प्रधानाचार्य या प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखें। **अथवा** अपने क्षेत्र की बिजली की समस्या के समाधान हेतु बिजली विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए।	5
12.	आप अमन या अनामिका है।आप विद्यालय के खेल विभाग के अध्यक्ष हैं। आपके विद्यालय में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए	5
13	बढ़ती महंगाई पर चर्चा करते हुए दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।	5

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

अर्धवार्षिक परीक्षा (2024-25)

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी

SET-B

समय : 3 घंटे **कुल अंक 80**

सामान्य निर्देश :-

- **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।**
- **प्रश्नों के सभी उप भागों के उत्तर क्रमशः एक साथ लिखिए ।**
- **उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए जो प्रश्नपत्र में दी गई हो।**

प्रश्न संख्या	प्रश्न	अंक
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प चुनकर लिखिए –** प्रसन्नचित्तता एक निश्चित स्थिति में और जीवन की समस्याओं के बीच आपके व्यक्तित्व को पूर्ण रूप से बदल देती है। इस गुण को निरंतर बढ़ाते रहना चाहिए। इससे आपकी विचार-प्रक्रिया पूर्ण और मौलिक रूप से बदल जाती है। याद रहे कि प्रत्येक काले बादल में चाँदी सदृश चमकती एक रेखा होती है जो इस सत्य का प्रतीक है कि प्रारंभिक असफलताओं से मनुष्य को हतोत्साहित नहीं होना चाहिए क्योंकि अंत में सफलता उसके उद्यमों का सुखद परिणाम बनकर उसके कदम चूमती है ।जब आप मुस्कुराते हैं तो लोग आप पर ध्यान देते हैं। वे आपको पसंद करने लगते हैं और आपके शुभचिंतक बन जाते हैं। वे आपका स्वागत करने के लिए आतुर रहते हैं और आपके प्रेम के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं ।दूसरों की बात सुनते समय तत्परता, दयाभाव, सहमति और प्रोत्साहन भरा व्यवहार रखें। उनकी भरपूर प्रशंसा करें। कभी भी अन्य व्यक्तियों की गलती निकल जाने पर उनकी आलोचना न करें। उन्हें चिड़चिड़ाते हुए अपने विरोधी, पूर्व-निर्धारित विचार देने से बचें। प्रमाण माँगते हुए बीच में हस्तक्षेप न करें और न ही अन्य व्यक्ति कुछ कह रहा हो तो उसके विरोध में बोलें। शांतिपूर्वक सुनें और अन्य व्यक्ति को अपनी बात कहने की अनुमति दें। हमेशा प्रसन्न रहने के लिए इस कला का अभ्यास करना होगा।	
	1. लोग हम पर कब ध्यान देते हैं ? क) जब हम उन पर ध्यान देते हैं ख) जब हम प्रसन्नचित होते हैं ग) जब हम मुस्कुराते हैं घ) जब लोग फुर्सत में होते हैं	1
	2. जीवन की समस्याओं के बीच हमारा व्यक्तित्व किस प्रकार पूरी तरह बदल जाता है? क) उदास रहने से ख) स्वार्थी होने से ग) प्रसन्न रहने से घ) सुस्त रहने से	1
	3. अभिकथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। **अभिकथन(A)-मनुष्य को हतोत्साहित नहीं होना चाहिए।** **कारण (R)- सफलता उसके उद्यमों का सुखद परिणाम बनकर उसके कदम चूमती है।** (क)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। (घ)कथन (A) तथा कारण (R)दोनो सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।	1

	4. दूसरों की बात सुनते समय हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? **5. प्रसन्नचित रहने के क्या लाभ हैं ?**	2 2
2.	**निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प चुनकर लिखिए-** जीवन में व्यक्तिगत और समूहगत दोनों स्तरों पर अनुशासन की अपेक्षा की जाती है। व्यक्तिगत स्तर पर मन, वाणी और कर्म का अनुशासन व्यक्ति के जीवन को सार्थक बनाता है। मन का स्वभाव है चंचलता। जिसने इस चंचलता पर काबू पा लिया, समझ लो उसने संसार पर काबू पा लिया। वाणी का अनुशासन सफल जीवन के लिए नितांत आवश्यक है। जो लोग अपनी वाणी पर अंकुश नहीं रख पाते वे लोग संसार में न तो कभी यश प्राप्त कर पाते हैं और न लोकप्रियता। इसी कारण प्राचीन शास्त्रों में शब्द को ब्रह्म कहा गया है। असाधारण व्यक्तित्व वाले लोग वाणी को इस प्रकार वश में रखते हैं कि वे जो बोलते हैं, वही सत्य हो जाता है। तुलसीदास ने भरत की वाणी का आदर्श प्रस्तुत करते हुए कहा है कि उनकी वाणी सभी के लिए सुगम भी है, साथ ही अगम्य भी। वह बहुत कम बोलते हैं, किन्तु अधिक कह जाते हैं। यह वाणी का ही कमाल है कि कौए को लोग धिक्कारते हैं और कोयल की कूक बार-बार सुनना चाहतेभारतीय चिंतन में कर्म के अनुशासन को भी बहुत महत्व दिया गया है। श्रीकृष्ण ने 'गीता' में कर्मों की कुशलता को ही योग का नाम दिया है। संसार उन्हीं लोगों को याद रखता है, जिन्होंने अपने कर्मों को अनुशासित ढंग से पूरा किया है। कर्म के अनुशासन के बिना कोई महान नहीं बन सकता। **1. संसार में यश प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है?** क) मन का अनुशासन ख) वाणी का अनुशासन ग) तन का अनुशासन घ) कर्म का अनुशासन **2. गद्यांश में भरत की वाणी को आदर्श रूप में प्रस्तुत करने का क्या कारण है ?** क) वाणी सुगम होने के कारण ख) वाणी अगम्य होने के कारण ग) समझने में कठिन होने के कारण घ) क और ख दोनों **3.अभिकथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए।** **अभिकथन(A)-संसार उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने अपने कर्मों को अनुशासित ढंग से पूरा किया है।** **कारण (R) कर्म के अनुशासन के बिना कोई महान नहीं बन सकता।** (क)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। (ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। (घ)कथन (A) तथा कारण (R)दोनो सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। **4. व्यक्ति अपने जीवन को किस प्रकार सार्थक बना सकता है?** **5. भारतीय चिंतन में कर्म के अनुशासन को बहुत अधिक महत्व क्यों दिया गया है ?**	1 1 1 2 2
3.	**क)** निम्नलिखित शब्दों में **अनुस्वार** का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए – **आनद , शुभचितक** **ख)**निम्नलिखित शब्दों में **अनुनासिक** का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए– **आगन, चादनी** **ग)** निम्नलिखित शब्दों में **'र'**के उचित रूप का प्रयोग कीजिए- **कम,सावजनिक** **घ)**'**दुर्भावना** 'शब्द में प्रयुक्त **उपसर्ग** व **मूल शब्द** बताइए। **ड़) 'ईन' प्रत्यय** में उचित शब्द जोड़कर नया शब्द बनाइए **च)** रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए परिभाषा को पूरा कीजिए-जब किसी बात को इतना बढ़ा चढ़ा कर कहा जाए कि वह लोक सीमा से बाहर हो जाए वहाँ………. अलंकार होता है	1×7=7

	छ) निम्नलिखित काव्य पंक्ति में **अलंकार** का नाम बताइए-हाय फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी।	
4.	**क)** निम्नलिखित शब्दों के **दो-दो पर्यायवाची** शब्द लिखिए- **घोड़ा, आसमान** **ख)** निम्नलिखित शब्दों के **विलोम** शब्द लिखिए-**आगत , सफल** **ग)** निम्नलिखित **वाक्यांशों के लिए** एक शब्द लिखिए-**छात्रों के रहने का स्थान** **घ)** निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- **विगत , उत्तीर्ण**	**2** **1** **1** **2**
5.	**क)** निम्नलिखित शब्दों की **संधि** कीजिए **–पो+इत्र , यदि+अपि** **ख)** निम्नलिखित शब्द का **संधि विच्छेद** कीजिए **– गणेशोत्सव** **ग)** दिए गए वाक्य में उचित स्थान पर **विराम चिह्नों** का प्रयोग कीजिए – **राम इधर उधर देखकर दंग रह गया** **वह ईमानदार है मैं नहीं मान सकता** **घ)** उचित **मुहावरे** द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-दरबारी हमेशा दारा में...........रहते थे। **ङ)** **'कानों कान खबर न होना'मुहावरे** का अर्थ बताते हुए वाक्य बनाइए।	**2** **1** **2** **1** **1**
6.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए-** जंगलों और पहाड़ों में सीताराम राजू के लोग बड़ी फुर्ती से छिपते-फिरते। ऐसे इलाके में हथियारों से लदी अंग्रेजों की भारी भरकम सेना अपने आपको कमज़ोर महसूस करने लगती थी ।सीताराम राजू के लोगों को गाँव-गाँव का सहारा था । गाँव के लोग विद्रोहियों को शरण देते और लाख कोशिश करने पर भी अंग्रेज उनकी खबर नहीं लगा पाते। फिर अंग्रेजों को एक तरकीब सूझी।उन्होंने सोचा कि आदिवासियों को लड़ाई में तो हार नहीं पाएंगे ,अब इन्हें भूखे रखकर मारना पड़ेगा। जंगल के अंदर गांवों में राशन लाने वाले सारे रास्ते बंद कर दिए गए। किसी को भी सामान एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना मुश्किल हो गया ।लोगों की बंदूकों के कारतूस खत्म हो गए ।इसके कारण अंग्रेजों के सिपाही गांवों में घुसकर लोगों को मारने -पीटने लगे। यहां तक कि उगी हुई फसल को भी जलाया जाने लगा। 1.किनके कारतूस खत्म हो गए थे? क)तलवारों के ख) जंगलों के ग)बंदूकों के घ) अंग्रेज़ों के 2.गाँव के लोगों को हराने के लिए अंग्रेजों ने क्या तरकीब सूझी ? क)विद्रोहियों को भूखा रखा जाए ख) उन्हें मारा-पीटा जाए ग)उनकी खड़ी फसलों को जला दिया जाए घ) उपरोक्त सभी 3.निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण ® को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। कथन (A)- सीताराम राजू के लोगों को गाँव-गाँव का सहारा था। कारण ®- गांव के लोग विद्रोहियों को शरण देते थे। क)कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। ख)कथन (A) गलत है लेकिन कारण ®सही है। ग)कथन (A) सही है लेकिन कारण ® उसकी गलत व्याख्या करता है। घ)कथन(A) तथा कारण® दोनों सही हैं तथा कारण ® कथन (A)की सही व्याख्या करता है। 4.प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? क)असल धन (ख) अच्छे पड़ोसी के गुण ग)पौधे के पंख (घ) अन्याय के खिलाफ़ लड़ाई 5.सीताराम राजू के सामने अंग्रेजी सेना कैसा महसूस करने लगी थी? क)ताकतवर (ख) आत्मविश्वास से भरी ग)कमज़ोर (घ) दु:खी	**1×5=5**

7.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए-** बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय। रहिमन फाटे दूध को, मथे ना माखन होए ।। रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति सहाय। बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सकै बचाए।। 1.मक्खन कैसे दूध से नहीं निकाला जा सकता ? क)मीठे दूध से ख) फटे दूध से ग) गाय के दूध से घ) ठंडे दूध से 2.बिना पानी के सूरज किसे नहीं बचा सकता ? क)जलज को ख) पैसों को ग) चंद्रमा को घ) मछली को 3.कितने प्रयत्न करने पर भी बिगड़ी बात नहीं बनती? क)हजारों ख) सौ ग) लाख घ) पचास 4.उपयुक्त काव्यांश किस पाठ से लिया गया है ? क)हम पंछी उन्मुक्त गगन के ख) दोपहरी ग) समय घ) दोहे 5.उपर्युक्त काव्यांश के रचयिता कौन है ? क)रहीम जी ख) बिहारी जी ग) वृंद जी घ) कबीर जी	1×5=5
8.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए-** **क)** गाँधी जी ने आत्मशुद्धि पर लेख क्यों लिखा? **ख)** दारा के किन गुणों के कारण शाह ने उसे उत्तरी ईरान का गवर्नर बनाया ? **ग)** सुदृढ़ चरित्र का अभाव व्यक्ति विशेष और सामाजिक जीवनपर क्या प्रभाव डालता है? **घ)** लेखक को अपने ऊपर झुंझलाहट क्यों हो रही थी? **ड़)** कोया आदिवासियों के नेता का नाम क्या था? उनका उससे परिचय किस प्रकार हुआ ?	2×5=10
9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **क)** पिंजरे में बंद रहकर मिलने वाले खाने में पानी की जगह पक्षियों को क्या खाना व पीना पसंद है ? **ख)** दोपहरी कविता के आधार पर बताइए कि संध्या के समय भी सूनापन क्यों छाया रहता है ? **ग)** हमें सज्जन व्यक्ति को बार-बार क्यों मना लेना चाहिए ?	2×3=6
10.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए-** भ्रष्टाचार एक समस्या ,हमारे राष्ट्रीय पर्व , सत्संगति का महत्व	5
11.	आप विद्यालय में देरी से पहुंचे ,इस संबंध में क्षमा माँगते हुए प्रधानाचार्य या प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखें। **अथवा** अपने क्षेत्र के डाकिए की शिकायत करते हुए डाकपाल महोदय को पत्र लिखिए।	5
12.	आप अमन या अनामिका है।आप विद्यालय के खेल विभाग के अध्यक्ष हैं। आपके विद्यालय में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला है। विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए	5
13	बढ़ती अनुशासनहीनता पर चर्चा करते हुए दो मित्रों के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।	5

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

अर्धवार्षिक परीक्षा 2024-25

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत

SET-A

अधिकतम अंक : 80

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	अंक
1.	1. ग) सुख और दुख	1
	2. क) जो परोपकारी हो	1
	3. ग) कथन (A) सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	1
	4. मानव जाति की भलाई के लिए अपना सब सुख त्यागने वाले, अपने प्राण बलिदान करने वाले	
	5. अपने आप को सुखी बनाना नहीं बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है अर्थात दूसरों की भलाई करने में	2
	है।	2
2.	1. घ) शिक्षा और अभ्यास के लाभ	1
	2. घ) क और ख दोनों	1
	3.ग) कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।	1
	4. मनुष्य में जन्म से अनेक कलाएँ सुप्तावस्था में विद्यमान रहती हैं । बुद्धिमानी का गुण शिक्षा एवं सतत अभ्यास से विकसित होता है।	2
	5. निरंतर परिश्रम , आत्मविश्वास , दृढ़ निश्चय, निरंतर अभ्यास	2
3.	क) मंजिल, प्रशंसा	1×7=7
	ख) ताँगा, चाँदनी	
	ग) ग्रह, सर्वाधिक	
	घ) उपसर्ग -दुर् ,मूल शब्द- भाग्य	
	ड़) स्वर्गीय /भारतीय…	
	च) यमक अलंकार	
	छ) उपमा अलंकार	
4.	क) उपहार- भेंट, तोहफ़ा ,सौगात ज़मीन - भू ,भूमि, अचला, धरती	2
	ख) निर्यात , निराकार	1
	ग) अल्पाहारी	1
	घ) अनुकंपा – दया,कृपा	2
	उत्तीर्ण -पास , सफल (छात्र द्वारा लिखा गया कोई भी उचित वाक्य स्वीकार्य)	
5.	क) भवन,प्रत्येक	2
	ख) महा+उत्सव	1
	ग) उस भोली-भाली लड़की ने आपका क्या बिगाड़ा है ?	2
	जैसे ही वह बिस्तर पर लेटा ,वह सो गया।	
	घ) दंग रह गए	1

	ङ) अर्थ -कोई हानि न होना वाक्य- सीताराम राजू ने कहा कि भारतीय सिपाहियों का बाल बाँका न होने पाए।(अन्य उचित वाक्य स्वीकार्य)	1
6.	(i) घ)अपनी मजबूरी और अनाड़ीपन (ii) ख)मन ललकना iii) घ)कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है। (iv) (ग) नौकर किसनू (v) (क) आत्मविश्वास की कमी	**1×5=5**
7.	1. ख) मोती का 2. घ) सज्जन को 3. ग) मोतियों के हार के 4. घ) दोहे 5. क) रहीम जी	**1×5=5**
8.	**(क)** गाँधी श्री के आश्रम में जो चिदठियाँ आती थीं, उनके लिफ़ाफ़े, एक तरफ़ से कोरे कागज़ या बचे हुए कागज को भी वे सँभालकर ,काटकर रखते थे और बाद में उन पर लेख लिखकर कागज़ के अपव्यय को रोकते थे। **ख)** द्वारा बहुत ही ईमानदार, समझदार, वफादार निस्वार्थी और मददगार था। इन्हीं गुणों ने उसे शाह का प्रिय बना दिया। **ग)**सुदृढ़ चरित्र के निर्माण में माता-पिता, गुरुजनों, संगति एवं वातावरण के प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। सुदृढ़ चरित्र के अभाव में व्यक्ति समाज मे व्याप्त हिंसा, कलह, धोखाधड़ी, द्वेष आदि असामाजिक आदतों का शिकार बन जाता है और समाज में भी सम्मानित स्थान प्राप्त नहीं कर सकता। **घ)** लेखक -लेखक कमजोर था।वह डरपोक था। घोड़े पर नहीं चढ़ सकता था और कम दूध पीता था। श्रीधर -श्रीधर ताकतवर और निडर था। वह घोड़े पर चढ़ सकता था और ज्यादा दूध पी सकता था। **ड़)** जब सीताराम राजू ने आदिवासियों से कहा कि तुम्हें अंग्रेज़ों के सामने दबना नहीं चाहिए ।तुम्हें उनका काम करने से मना कर देना चाहिए ।तब उसकी बात सुनकर आदिवासियों में हिम्मत आई।	**2×5=10**
9.	**क)'** हम पंछी उन्मुक्त गगन के'कविता के आधार पर बंधन में रहकर पक्षी **अपनी चाल(गति) व उड़ने के स्वभाव(उड़ान)** को भूलते जा रहे हैं। **ख)** गर्मी के कारण वृक्षों के पत्ते जल गए थे । पत्ते झुलस कर नीचे गिर गए थे। पत्तों से रहित वृक्ष कंकालों के समान लग रहे थे। ऐसा लग रहा था कि मानो वे अकाल के अवतार हो। **ग)** कठोर वचनों का मनुष्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है । कठोर वचन बहुत बुरे होते हैं जो सब कुछ जलाकर रख कर देते हैं।	**2×3=6**
10.	अनुच्छेद • भूमिका • विषयवस्तु • भाषायी शुद्धता	 1 3 1
11.	पत्र • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	 1.5 3.5
12.	सूचना	

	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	1.5 3.5
13	संवाद • विषय वस्तु/ अभिव्यक्ति • संवादों की क्रमबद्धता • भाषायी शुद्धता	 3 1 1

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल

अर्धवार्षिक परीक्षा 2024-25

SET-B

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी

अंक विभाजन एवं उत्तर संकेत

अधिकतम अंक : 80

निर्देश- यदि ऐसा कोई सही उत्तर जो परीक्षार्थी ने लिखा है परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्रश्न संख्या	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	अंक
1.	1. ग) जब हम मुस्कुराते हैं। 2. ग) प्रसन्न रहने से 3. ग)कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। 4. तत्परता, दयाभाव ,सहमति और प्रोत्साहन भरा, उनके प्रति प्रशंसा का और आलोचना न करने का भाव 5. प्रसन्नचित्तता हमारे व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। हमारी विचार प्रक्रिया को बदलकर हमें आशावादी बनाती है। इससे हम निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं।	1 1 1 2 2
2.	1. ख) वाणी का अनुशासन 2. घ) क और ख दोनों 3.ग)कथन (A) सही है तथा कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। 4. मन,वाणी और कर्म के अनुशासन द्वारा व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है। 5. विश्व में कर्म से बढ़कर कुछ भी नहीं है। संसार उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने अपने कर्मों को अनुशासित ढंग से पूरा किया है ।कर्म के अनुशासन के बिना कोई महान नहीं बन सकता।	1 1 1 2 2
3.	क) आनंद, शुभचिंतक ख) आँगन, चाँदनी ग) क्रम/कर्म, सार्वजनिक घ) उपसर्ग -दुर् मूल शब्द -भावना ड़) नमकीन/रंगीन ... च) अतिशयोक्ति अलंकार छ) उपमा अलंकार	1×7=7
4.	क) घोड़ा- अश्व, तुरंग ,घोटक आसमान -आकाश ,गगन, अंबर ,नभ ख) विगत , असफल ग) छात्रावास घ) विगत- बीता हुआ उत्तीर्ण-पास ,सफल (छात्रों द्वारा लिखा गया कोई भी उचित वाक्य स्वीकार्य)	2 1 1 2
5.	क) पवित्र, यद्यपि ख) गणेश+उत्सव ग) राम इधर -उधर देखकर दंग रह गया। वह ईमानदार है, मैं नहीं मान सकता। घ) कीड़े निकालते	2 1 2 1

	ङ) अर्थ -किसी को कुछ पता न चलना वाक्य (छात्रों द्वारा लिखा गया कोई भी उचित वाक्य स्वीकार्य)	1
6.	1. ग) बंदूकों के 2. घ) उपरोक्त सभी 3. घ)कथन(A) तथा कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है। 4. घ) अन्याय के खिलाफ लड़ाई 5. ग) कमज़ोर	1×5=5
7.	1. ख) फटे दूध से 2. क) जलज को 3. ग) लाख 4. घ) दोहे 5. क) रहीम जी	1×5=5
8.	क) एक दिन कस्तूरबा गाँधी को चार रुपए उपहार में मिले। कस्तूरबा गाँधी द्वारा वे पैसे आश्रम के दफ़्तर में जमा न करवाने पर गाँधी जी रात के तीन बजे तक लेख लिखते रहे । ख)दारा बहुत ही बुद्धिमान, समझदार, ईमानदार, न्यायकारी, घमंड – रहित, दयालु, निः स्वार्थी और सहयोगी था। इन गुणों के कारण शाह ने उसे उत्तरी ईरान का गवर्नर बनाया। ग) सुदृढ़ चरित्र के निर्माण में माता-पिता, गुरुजनों, संगति एवं वातावरण के प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। सुदृढ़ चरित्र के अभाव में व्यक्ति समाज मे व्याप्त हिंसा, कलह, धोखाधड़ी, द्वेष आदि असामाजिक बुराइयों का शिकार बन जाता है और समाज में भी सम्मानित स्थान प्राप्त नहीं कर सकता। घ)श्रीधर लेखक की ही उम्र का था पर उससे अधिक दूध पी सकता था और ज्यादा लंबा उछल सकता था । वह घोड़े पर भी चढ़ सकता था पर लेखक इनमें से कोई भी काम नहीं कर सकता था । उसे स्कूल में भी कमज़ोर व बीमार लडका माना जाता था और वह खेलों में भी कम भाग लेता था। इसलिए लेखक को अपने ऊपर झुंझलाहट हुई। ड़) कोया आदिवासियों के नेता का नाम अल्लूरी सीताराम राजू था। जब वह साधु बनकर आंध्र प्रदेश के जंगलों में रहने आया तो आदिवासियों से अच्छी तरह हिल मिल गया। वे लोग अपने दुख दर्द की कहानी उसे सुनाते और पूछते कि अपने कष्टों से छुटकारा कैसे पाएँ ? सीताराम राजू उनकी कठिनाइयों का समाधान कर देता था।	2×5=10
9.	**क)** पिंजरे में बंद रहकर मिलने वाले खाने व पानी की जगह पक्षियों को पेड़ों के कड़वे फल खाना तथा झरनों का बहता पानी पीना अच्छा लगता है क्योंकि स्वतंत्र रहकर उन्हें हर सुख सुविधा अच्छी लगती है पिंजरे में बंद रहकर नहीं। **ख)** दोपहर बीत जाने के बाद संध्या के समय भी गर्मी का प्रभाव बना रहता है। बहुत अधिक गर्मी होने के कारण सभी लोग अपने घरों में रहते हैं और संध्या के समय भी सूनापन छाया रहता है। **ग)** हमें सज्जन व्यक्ति को बार-बार इसलिए मना लेना चाहिए क्योंकि सज्जन व्यक्ति मोती के समान कीमती होते हैं ।उनका ज्ञान हमारे लिए बहुत उपयोगी होता है इसलिए हमें उन्हें रूठना नहीं देना चाहिए।	2×3=6
10.	अनुच्छेद • भूमिका • विषय वस्तु • भाषायी शुद्धता	 1 3 1
11.	पत्र	

	• प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	**1.5** **3.5**
12.	सूचना • प्रारूप संबंधी औपचारिकताएँ • विषय वस्तु	 **1.5** **3.5**
13	संवाद • विषयवस्तु • संवादों में क्रमबद्धता • भाषायी शुद्धता	 **3** **1** **1**